100 DAYS OF READING CAMPAIGN

राजस्थान सरकार

RSCERT Udaipur

हवामहल

(कोरोना समय में बच्चों का झरोखा)

12 फरवरी 2022: शनिवार: वर्ष-02: अंक – 41

मुझे कोई नहीं खिलाता

आज की कहानी

"कैसा लगता है जब आपके हमउम्र साथी आपको खेल में शामिल ही न करें। खेल मात्र खेल नहीं बल्कि इससे बनता है दोस्ती का रिश्ता। स्कूल के परिवेश में बाल मन की बात साझा करती कहानी। इस कहानी को सुनने के लिए किताब के चित्र पर क्लिक करें।"

3 – 14 वर्ष के बच्चों के लिए | एकलव्य

खिचड़ी

आज की कहानी

" यह एक लोककथा है। बिरजू अपने ससुराल जाता है। वहाँ उसकी सास उसे मज़ेदार खिचड़ी खिलाती है। बिरजू को खिचड़ी बहुत पसंद आती है। वह अपने गाँव में भी खिचड़ी खाना चाहता है। लेकिन गाँव लौटते वक्त ऐसा कुछ घटित होता है कि वह खिचड़ी नाम ही भूल जाता है। इस मज़ेदार कहानी को सुनने के लिए किताब के चित्र पर क्लिक करें।"

6+ वर्ष के बच्चों के लिए | एकलव्य

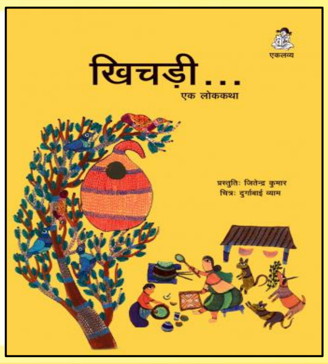

अच्छा मौसी अलविदा

आज की किताब

"यह माड़ की एक लोककथा है। भैंस के गोबर में फँसी एक चिड़िया कैसे एक बिल्ली से अपनी जान बचाती है? जानने के लिए इस कहानी को पढ़ें। किताब के लिए चित्र पर क्लिक करें। "

6 + वर्ष के बच्चों के लिए | एकलव्य

साझा पठन

आज की गतिविधि

""साझा पठन साथ में पढ़ने की एक प्रक्रिया है। यह एक पठन की रणनीति है। जिसका उद्देश्य बच्चों को पठन से जोड़ना है। इसके माध्यम से बच्चे पढ़ने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। इस वीडियो को देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।"

6 – 14 वर्ष के बच्चों के लिए | पराग

मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा क्यों लाज़मी?

टीचर्स कॉर्नर

"मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा बच्चों में स्वयं को व्यक्त करने के साथ–साथ स्कूलों में अलग-अलग विषयों की अवधारणाएँ सीखने का विश्वास देती है। मातृभाषा में शिक्षा ऐसी स्थिति से बचाती हैं जहाँ बच्चा अलग भाषा का उपयोग करने के कारण परेशान होता है।आलेख पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए | संदर्भ पत्रिका

#घरमेंरहें

#आनन्दसेपढ़ें

बचपन से ही आनंद के साथ पढ़ने की आदत, भविष्य के जागरूक और सशक्त नागरिक बनने के सफ़र में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अंक से हम '100 Days Reading Campaign' पर विशेष सामग्री साझा कर रहे हैं।

आज का अंक आपको कैसा लगा ? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।